पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.03.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

# युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 87वें बलिदान दिवस पर

**"राष्ट्र रक्षा यज्ञ"**

वीरवार, 23 मार्च 2017,
प्रातः 11 से 1.30 बजे तक
स्थानः जन्तर मन्तर,नई दिल्ली।
साथियों सहित पंहुचे
—अनिल आर्य, संयोजक

वर्ष-33 अंक-18 फाल्गुन-2073 दयानन्दाब्द 193 01 मार्च से 15 मार्च 2017 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.03.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

# केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव सोल्लास मनाया

## अस्पर्शयता, शुद्विकरण व दहेज के विरूद्ध अभियान चलायें—सांसद मीनाक्षी लेखी

संचालन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,मंच पर मुख्य अतिथि सांसद मीनाक्षी लेखी के साथ बांये से संध्या बजाज,चन्द्रभान अरोड़ा,पार्षद यशपाल आर्य,सुभाष आर्य(नेता सदन),रविदेव गुप्ता,डा.जयेन्द्र आचार्य।

मंगलवार, 21 फरवरी 2017,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी,महान समाज सुधारक,युग प्रवर्तक, आर्य समाज के संस्थापक "महर्षि दयानन्द सरस्वती का 193 वां जन्म दिवस" सांसद निवास, 14,महादेव रोड,नई दिल्ली में सौल्लास मनाया गया। समारोह में दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों से सैंकड़ों आर्य जनों ने सम्मिलित होकर महर्षि दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये व उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

समारोह की मुख्य अतिथि सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि स्वामी दयानन्द महान समाज सुधारक थे,उन्होंने वैचारिक व सामाजिक क्रान्ति का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि आज शुद्धि अभियान फिर से चलाने की आवश्यकता है,कन्या भ्रूण हत्या के पीछे भी दहेज प्रथा कहीं न कहीं कारण रही है,अतः युवा आज संकल्प लें कि हम दहेज न लेंगे ओर न देंगे। अस्पर्शता ने भी समाज का काफी नुकसान किया है,इसके विरूद्धभी जागरूक करने की आवश्यकता है। आज फिर से युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयता की भावना को संस्कारित करने की आवश्यकता है। स्वामी जी के समाज उत्थान में योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता चाहे नारी शिक्षा हो, विधवा विवाह, बाल विवाह, पाखण्ड—अन्धविश्वास के विरूद्ध शंखनाद हर क्षेत्र में उनकी छाप दिखाई देती है।

श्री सुभाष आर्य (नेता सदन,दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्राति के अग्रदूत थे,जब सब ओर अन्धकार छाया था,उन्होंने कुरीतियों,अन्धविश्वासों,रूढ़ियों, मठाधीशों पर सीधा प्रहार किया जिसके लिए साहस की जरूरत होती है। स्वामी दयानन्द ने जिस तेजस्विता के साथ समाज की दिशा बदली वह समय के साथ आज मन्द हो गयी है उसे पुनः जागृत करने की आवश्यकता है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि आज के प्रदूषित वातावरण में गुरूकुलीय शिक्षा पद्वति का महत्व बढ़ जाता है,आज हमारी भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक मूल्यों पर लगातार आक्रमण हो रहे हैं इसके प्रतिकार के लिये आज पूरे हिन्दू समाज को संगठित होने की आवश्यकता है। आज भारत उन्नति तो कर रहा है पर चरित्र और विचारों का पतन हो रहा है उसे बचाने के लिए महर्षि दयानन्द जी के विचारों पर चलना होगा, अन्यथा हम वहां पहुँच जायेंगे जहां से वापिस आना कठिन हो जायेगा।

वैदिक विद्वान डा.जयेन्द्र आचार्य (गुरूकुल नोएडा) ने यज्ञ करवाया,उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द ने वेदों का पुनरोद्वार किया, उन्होने कहा कि सांस्कृतिक आक्रमण तोप व तलवार से अधिक खतरनाक होता है,आज युवा पीढ़ी को अपने सही गौरवशाली इतिहास, अपने महापुरूषों, शहीदों के त्याग—बलिदान के बारे मे बताने की आवश्यकता है जिससे वह उन पर गर्व करना सीख सकें। श्री राजीव कुमार "परम डेयरी ग्रुप" ने ओउम् ध्वज फहराया।

इस अवसर पर पार्षद यशपाल आर्य,समाजसेवी सन्ध्या बजाज,प्रि.अन्जु महरोत्रा,उर्मिला आर्या,राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई,रविदेव गुप्ता,गायत्री मीना,दर्शन अग्निहोत्री ने भी अपने विचार रखे। कविता आर्या व योगेन्द्र शास्त्री के मधुर भजन हुए। आर्य नेता अमीरचन्द रखेजा, चन्द्रभान अरोड़ा,राजेश मेहन्दीरता,सुरेन्द्र शास्त्री,चतरसिंह नागर,ओमवीरसिंह,सुरेश आर्य, रामकुमारआर्य,अर्चना पुष्करना,प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), सुभाष भडाना, बलराज सेजवाल, अनिता कुमार, वेदप्रकाश आर्य, ओमप्रकाश पाण्डेय, यज्ञवीर चौहान, गजेन्द्र चौहान, हरिचन्द आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, के. एल.राणा, देवदत आर्य, सोहनलाल मुखी, सुदर्शन तनेजा, अमरनाथ बत्रा,

सांसद मीनाक्षी लेखी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,सुभाष आर्य,रामकुमार आर्य,महेन्द्र भाई,बलराज सेजवाल,रविदेव गुप्ता,सुरेश आर्य व सामने श्रद्धालु आर्य जन।

# रिजिजु के कथन पर सकारात्मक नजरिए से भी विचार किया जा सकता है

—अवधेश कुमार

हमारे देश की समस्या है कि हम कई बार तथ्यों की अनदेखी करते हैं और सच बोलने से कतराते हैं। भारत में मुस्लिम हिन्दू मुद्दों के बारे में तो यह सच्चाई शत–प्रतिशत सही है। यह बात समझ से परे है कि अगर मुसलमानों के बारे में कोई ऐसा तथ्य है जो चिंताजनक है तो उसे सामने लाने में क्या समस्या है। हां, उसे सामने लाने के पीछे यदि सांप्रदायिक सोच है या कोई कुत्सित मनोवृत्ति है तब अवश्य यह अवांछनीय है, अन्यथा वह तथ्य सामने आना चाहिए और उस पर गंभीरता से संतुलित चर्चा होनी चाहिए ताकि उस चिंताजनक स्थिति से निपटा जा सके। गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि भारत में हिंदुओं की आबादी कम हो रही है। इसकी वजह ये है कि हिंदू लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं कराते। रिजिजू ने ये बातें अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उस आरोप के जवाब में कही जिसमें आरोप लगाया गया था कि भाजपा सरकार राज्य को हिंदू राज्य में तब्दील करने की कोशिश कर रही है। तो यह बयान आरोप के जवाब में आया है। हम उसमें यहां नहीं जाना चाहते, क्योंकि भारतीय संविधान ने देश को सेक्यूलर माना है और जब तक यह है राज्य तो छोड़िए देश भी मजहबी देश नहीं हो सकता। लेकिन रिजिजू के बयान पर जिस तरह का हंगामा मचा है क्या वह उचित है? क्या रिजिजू ने जो कहा वह गलत है?

यह तो सच्चाई है कि अन्य कई धर्म जहां लोगों का धर्म परिवर्तन करने में विश्वास करते हैं और धर्मकार्य के रुप में उसे अंजाम देते हैं वही हिन्दू धर्म का इतिहास कभी ऐसा नहीं रहा। हिन्दू धर्म का चरित्र भी धर्मांतरण का नहीं है। वैसे भी हमारे यहां जाति व्यवस्था इतना सशक्त है कि किसी को यदि हिन्दू बनाना चाहें तो पहला प्रश्न यही उठेगा कि उसे किस जाति में लाया जाए। इसका निदान आसान नहीं है। लेकिन क्या हिन्दुओं की आबादी वास्तव में कम हो रही है? सबसे पहले तो इसी प्रश्न का उत्तर तलाशना होगा। उसके बाद यह प्रश्न आएगा कि अगर कम हो रहा है तो क्या इसीलिए ये धर्मांतरण नहीं कराते? इसके साथ ही यह प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या दूसरे धर्म की आबादी भारत में बढ़ रही है? अगर बढ़ रही है तो क्या इसका कारण यही है कि वे धर्मांतरण कराते हैं? पहले यह देखें कि क्या वाकई हिन्दुओं की आबादी घट रही है? इसका उत्तर है, हां। 2011 की जनगणना के अनुसार हिन्दुओं की संख्या भारत की कुल आबादी का 79.6 प्रतिशत है। 2001 में हिन्दुओं की आबादी 80.46 प्रतिशत, 1991 में 81. 55 प्रतिशत, 1981 में 82.30 प्रतिशत थी...। इसी क्रम में आगे बढते जाएंगे तो हिन्दुओं की आबादी घटने का सच आपके सामने आता जाएगा। आजादी के बाद जब पहली जनगणना 1951 में हुई उस समय हिन्दुओं की आबादी 85 प्रतिशत थी। उस समय से तुलना करें तो करीब साढे पांच प्रतिशत आबादी हिन्दुओं की घटी है। इस तरह हिन्दुओं की आबादी घटने का रिजिजू का कथन बिल्कुल सही है।

अब जरा यह देखें कि क्या दूसरे मजहबों में से किसी की आबादी बढ़ी है? अन्य मजहबों में सबसे पहले मुसलमानों की ओर नजर जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार मुसलमानों की संख्या हमारे यहां कुल आबादी का 14.2 प्रतिशत है। 2001 में इनकी संख्या थी, 13.43 प्रतिशत तो 1991 में 12.61 प्रतिशत तथा 1981 में 11.75 प्रतिशत.....। आप इसे भी क्रम में गिनते जाइए हर जनगणना में मसुलमानों की आबादी बढ़ती हुई मिलेगी। वैसे भी 1951 की जनगणना में भारत में 9.9 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी। इस तरह उस समय से इनकी आबादी करीब साढ़े चार प्रतिशत बढ़ी है। तो एक ओर हिन्दुओं की आबादी उस समय से घटी है और मुसलमानों की बढ़ी है। हालांकि 1991 से 2001 के बीच मुस्लिम आबादी बढ़ने की दर 29 प्रतिशत थी, जबकि 2001 से 2011 के बीच यह 24 प्रतिशत रही। तो आबादी बढ़ने की दर में ह्रास आया है और 2021 की जनगणना में देखना होगा कि यह कितना रहता है। किंतु यह दर भी औसत 18 प्रतिशत आम वृद्धि दर से ज्यादा है। जो लोग आबादी बढ़ने पर चिंता प्रकट करते हैं उनके लिए यह गहन विमर्श का कारण होना चाहिए। आखिर एक समुदाय विशेष की आबादी लगातार क्यों बढ़ती जा रही है? क्या इससे आबादी असंतुलन पैदा हो सकता है? क्या इसके सामाजिक–आर्थिक–सांस्कृतिक दुष्परिणाम भी हो सकते हैं?

किरण रिजिजू ने इन सब पर कुछ नहीं कहा है। मामला अरुणाचल प्रदेश का था किंतु रिजिजू का बयान पूरे देश के संदर्भ में है। हम इसमें आगे बढ़ें उसके पहले अरुणाचल की आबादी का एक आंकड़ा यहां देना आवश्यक है। अरुणाचल प्रदेश में 2001 में हिन्दुओं की आबादी 34.6 प्रतिशत थी जो 2011 में घटकर 30.26 रह गई। इसके समानांतर वहां ईसाइयों की आबादी 18.7 प्रतिशत से बढ़कर 30.28 प्रतिशत हो गई। यह भी एक तथ्य है जिस पर विचार होना चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ? एक बात तो समझ में आती है कि यदि हिन्दू ईसाई और इस्लाम की तरह धर्म परिवर्तन का अस्त्र अपनाते तो इनकी संख्या बढ़ सकती थी। किंतु उनकी संख्या कम होने का कारण क्या केवल धर्म परिवर्तन है। क्या आजादी के बाद से हिन्दुओं का इतना ज्यादा धर्म परिवर्तन हो गया कि उनकी संख्या घटती गई और मुसलमानों की बढ़ती गई? वैसे किरण रिजिजू सामान्य सांसद या नेता नहीं हैं। गृहराज्य मंत्री होने के नाते उनके पास यदि इस संबंध में कुछ तथ्य हैं तो उसे भी सामने लाना चाहिए। यही बात अरुणाचल के संदर्भ में भी लागू होती है। यदि उनके पास इस बात की सटीक रिपोर्ट है कि अरुणाचल में व्यापक पैमाने पर धर्म परिवर्तन हुआ है और उसमें कानून का उल्लंघन किया गया है तो उसे भी सामने लाना चाहिए।

हालांकि एक सीमा तक हिन्दुओं की आबादी घटने तथा दूसरे धर्म की आबादी बढ़ने के पीछे धर्म परिवर्तन कारण हो सकता है। इसकी शिकायतें भी जगह–जगह आईं और भारत के कई राज्यों ने इससे संबंधित कानून भी बनाए ताकि धर्म परिवर्तन में भय या लोभ लालच का इस्तेमाल न किया जा सके। पिछले कम से कम तीन दशकों में भारत में धर्म परिवर्तन के विरुद्ध इतने अभियान चले हैं कि आज यह आसान नहीं रह गया है। इसलिए कम से कम 1991 से 2011 तक की जनसंख्या में कमी और वृद्धि को एकदम से धर्म परिवर्तन का परिणाम नहीं बताया जा सकता है। असम में मुसलमानों की आबादी 1991 से 2011 के बीच सबसे ज्यादा बढ़ी है। उसका कारण बंगलादेश से आए घुसपैठिए माने जा रहे हैं। किंतु पूरे देश में इनकी आबादी बढ़ने का सामाजिक–आर्थिक अध्ययन तथा आम अनुभव भी यह बताता है कि हिन्दुओं, सिख्खों ने जहां परिवार नियोजन को व्यापक पैमाने पर अपनाया उस तरह मुसलमानों ने नहीं अपनाया है। बहुमत हिन्दुओं में परिवार को सीमित रखने पर सजगता है और इसके लिए वे परिवार नियोजन के कई साधन अपनाते हैं। इसके विपरीत इस्लाम में कुछ मजहबी नेताओं ने इसे इस्लाम विरोधी घोषित कर दिया। कुछ मुट्ठी भर पढ़े–लिखों को छोड़ दें तो इस कारण आम मुसलमान परिवार नियोजन के साधन अपनाने से बचते हैं। तो इस मानसिकता में बदलाव लाने की आवश्यकता है। किंतु यह तभी होगा जब हम ईमानदारी और साहस के साथ इसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करेंगे। अगर हम इस आधार पर सच बोलने से बचेंगे कि कहीं हमारी छवि पर सेक्यूलर विरोधी या सांप्रदायिक होने का ठप्पा न लगा दिया जाए तो इसका निदान नहीं हो सकता। तो सबसे पहले सच को स्वीकारने की आवश्यकता है। उसके बाद इसके निदान का रास्ता पकड़ा जा सकता है। वह यही हो सकता है कि आम मुस्लिम आबादी के बीच व्यापक पैमाने पर जन जागरण अभियान चलाया जाए ताकि वे भी परिवार नियोजन के साधन अपनाने की ओर अग्रसर हों। जो कट्टरपंथी तत्व इसके विरुद्ध प्रचार कर इसे मजहब का विषय बना रहे हैं उनको कमजोर करने की जरुरत है। किंतु हमारे यहां राजनीति का जो चरित्र है उसमें ऐसा होना आसान नहीं। जब वोट की लालच में इस्लाम में कट्टरपंथियों को नेता मानकर उनका सम्मान किया जाएगा और जो प्रगतिशील हैं उन्हें महत्व नहीं दिया जाएगा तो यह संभव कैसे हो सकता है।

ई.:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली:110092,
दूर.:01122483408, 09811027208

(पेज 1 का शेष)

दिनेश आर्य, अनिल हाण्डा, सोहनलाल आर्य, भारतभूषण धूपड़, मनोज मान, आचार्य सुधांशु, मीना आर्या, रामजीदास थरेजा, सरोजनी दता, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, डा.वीरपाल विद्यालंकार, विद्यासागर वर्मा, कै.अशोक गुलाटी, विम्मी अरोड़ा, वीरेन्द्र आहूजा, प्रेमकुमार सचदेवा, विजय हंस, नेत्रपाल आर्य, सुधीर घई, भोपालसिंह आर्य आदि उपस्थित थे। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में शिवम मिश्रा, काशीराम, माधवसिंह, अभिषेक द्विवेदी, राकेश आर्य, अंकुर आर्य, अमित आर्य आदि ने व्यवस्था सम्भाली। दयानन्द मॉडल स्कूल अगर कालोनी की अध्यापिकाओं द्वारा सुन्दर भजन सुनाया गया। प्रीतिभोज का आनन्द लेकर सभी उत्साह के साथ विदा हुए।

रोहतक चलो रोहतक चलो

**महात्मा प्रभुआश्रित निर्वाण अर्धशताब्दी समारोह**

दिनांक 16 मार्च से 19 मार्च 2017 तक

स्थानः वैदिक साधन आश्रम,

आर्य नगर, रोहतक, हरियाणा

**श्रद्धालु आर्यो से अपील**

अपनी अपनी आर्य समाजों से स्पेशल बसों का प्रबन्ध करके हजारों की संख्या में पंहुचे

दिल्ली से विशेष बसों की व्यवस्था की जायेगी–

सम्पर्क करें: अनिल आर्य,9810117464

–दर्शन अग्निहोत्री, प्रधानः 9810033799

# महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव पर आर्य नेता दर्शन अग्निहोत्री व राजीव परम का अभिनन्दन

आर्य नेता दर्शन अग्निहोत्री व राजीव परम का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,रविदेव गुप्ता व डा.जयेन्द्र आचार्य।

# नेता सदन श्री सुभाष आर्य व समाजसेवी श्री सुरेन्द्र कोहली का अभिनन्दन

श्री सुभाष आर्य(नेता सदन,दक्षिण दिल्ली नगर निगम) का अभिनन्दन करते सांसद मीनाक्षी लेखी,रविदेव गुप्ता। द्वितीय चित्र–समाजसेवी सुरेन्द्र कोहली का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य,महेन्द्र भाई,अरूण आर्य।

# मूर्तिदेवी आर्य पब्लिक स्कूल का उत्सव व सरस्वती विहार से निकली शोभा यात्रा

माता मूर्तिदेवी आर्य पब्लिक स्कूल,जहांगीरपुरी,दिल्ली के 20 वें वार्षिकोत्सव पर माता मूर्तिदेवी जी का स्वागत करते डा.अनिल आर्य,महेन्द्र भाई,अरूण आर्य,गजेन्द्र आर्य आदि। द्वितीय चित्र–उत्तर पश्चिम दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के तत्वावधान में स्वामी दयानन्द जन्मोत्सव पर श्री सुरेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित शोभा यात्रा आर्य समाज,सरस्वती विहार में– डा. अनिल आर्य,रामकुमार आर्य,अरूण आर्य,दिनेश आर्य,सुमित कटारिया,नारायणदास आर्य, सोहनलाल मुखी,सूरज गुलाटी,विम्मी अरोड़ा आदि।

# सांसद मीनाक्षी लेखी का आर्य युवती परिषद् ने किया अभिनन्दन

सांसद मीनाक्षी लेखी का स्वागत करते आर्य युवती परिषद् की महामंत्री अर्चना पुष्करना,प्रदेश अध्यक्षा उर्मिला आर्या,उपाध्यक्षा प्रि.अन्जू महरोत्रा,कोषाध्यक्षा अनिता कुमार व सामने दिल्ली के कौने कौन से पंहुचे उत्साही आर्य बन्धु।

# समाजसेवी चन्द्रभान अरोड़ा का स्वागत व लोक प्रिय सांसद के साथ आर्य युवा शक्ति

समाजसेवी श्री चन्द्रभान अरोड़ा का स्वागत करते सांसद मीनाक्षी लेखी,संध्या बजाज । द्वितीय चित्र–सांसद मीनाक्षी लेखी के साथ डा.अनिल आर्य,महेन्द्र भाई,सौरभ गुप्ता,वेदप्रकाश आर्य,अर्चना पुष्करना,राकेश,शिवम व अभिषेक द्विवेदी।

# स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा स्थापित गुरूकुल इन्द्रप्रस्थ फरीदाबाद का शताब्दी समारोह सम्पन्न

रविवार,19 फरवरी 2017,गुरूकुल इन्द्रप्रस्थ फरीदाबाद का शताब्दी समारोह सोल्लास सम्पन्न हुआ। हिमाचल के राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी,मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर ने भी अपने विचार रखे। चित्र में–महाशय धर्मपाल जी(एम.डी.एच) के साथ डा.अनिल आर्य,सुरेश अग्रवाल,रामकुमार आर्य,सौरभ गुप्ता,गुरूकुल के मंत्री श्री पी.के.मितल,सत्यभूषण आर्य,दिनेश आर्य आदि। द्वितीय चित्र–कर्मठ कार्यकर्ता अनिल हाण्डा का अभिनन्दन करते पी.के.मितल,आचार्य देवव्रत,स्वामी प्रणवानन्द जी,कन्हैयालाल आर्य आदि।

# पार्षद डा. महेन्द्र नागपाल का स्वागत व टंकारा पंहुची परिषद् की टीम

रविवार, 26 फरवरी 2017,आर्य समाज,अशोक विहार,फेज–1,दिल्ली में महर्षि दयानन्द बोध उत्सव सोल्लास मनाया गया । चित्र में–पार्षद डा.महेन्द्र नागपाल का अभिनन्दन करते मंत्री जीवनलाल आर्य,आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा,रामगेहरसिंह,प्रधान पी.के.सचदेवा,काशीराम शास्त्री । द्वितीय चित्र–ऋषि दयानन्द जन्म भूमि टंकारा,गुजरात के उत्सव में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की टीम श्री विश्वनाथ आर्य के नेतृत्त्व में पंहुची,साथ में देवदत आर्य,धर्मपाल आर्य,ईश आर्य,के.एल.राणा आदि।

# हैदराबाद में आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व प्रवीन आर्या का अभिनन्दन

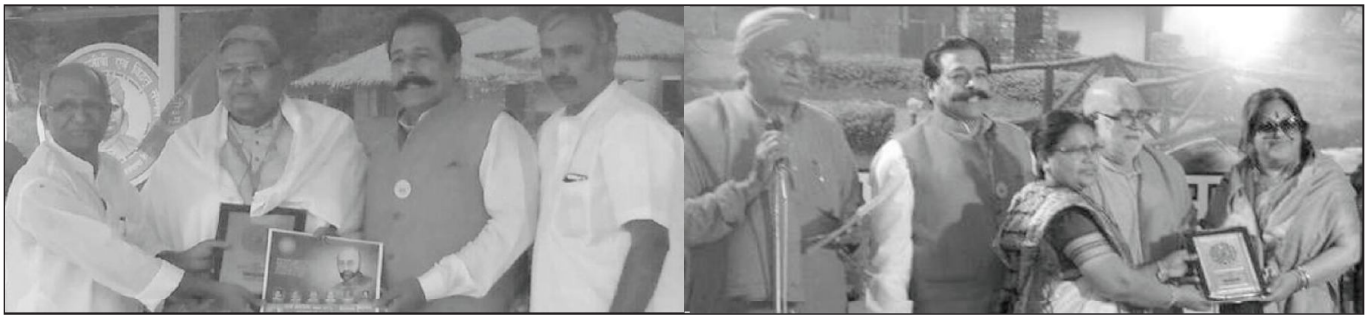

शनिवार, 4 फरवरी 2017,सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन हैदराबाद में आर्य पुरोहित सभा के अध्यक्ष आचार्य प्रेमपाल शास्त्री का अभिनन्दन करते महामंत्री प्रो.विद्ठलराव आर्य,डा.अनिल आर्य व हरिकृष्ण आर्य । द्वितीय चित्र–श्रीमती प्रवीन आर्या का स्वागत करते स्वामी प्रणवानन्द जी।

## अमेरिका आर्य महासम्मेलन में चलो

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्वावधान में 27 वां आर्य प्रतिनिधि महासम्मेलन दिनांक 27 जुलाई से 30 जुलाई 2017 तक न्यूयार्क में आयोजित किया जा रहा है। जो आर्य बन्धु भाग लेना चाहें वह परिषद् के मंत्री श्री देवेन्द्र भगत–9958889970 पर सम्पर्क करें।

## परिषद् का शिक्षक अभ्यास शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का शिक्षक अभ्यास शिविर दिनांक 28, 29, 30 अप्रैल 2017 को श्री सूर्यदेव व्यायामाचार्य के निर्देशन में गुरूकुल, खेड़ाखुर्द, दिल्ली–110082 में लगेगा। इच्छुक सम्पर्क करें–सौरभ गुप्ता, संयोजक, फोनः 9971467978.

## आर्य समाज वजीरपुर की स्वर्ण जयन्ती

आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे. कालोनी, दिल्ली का स्वर्ण जयन्ती समारोह दिनांक 28, 29, 30 अप्रैल 2017 को धूमधाम से मनाया जायेगा। सभी आर्य जन सपरिवार दर्शन देवें

– आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, प्रधान.

## रोहिणी में आर्य महिला मिलन

उतरी दिल्ली आर्य महिला मण्डल के तत्वावधान में 17 मार्च 2017 को सायं 3 बजे से डिस्टिक पार्क, सैक्टर–13, रोहिणी,दिल्ली में आर्य महिलाओं की खेलकूद, सांस्कृतिक प्रतियोगितायें होंगी। सभी बहनें अवश्य पंहुचे

–उर्मिला आर्या, संयोजिका, फोनः 9711161843.

## गुरूकुल खेड़ाखुर्द का 72 वां वार्षिकोत्सव

दिल्ली के सुप्रसिद्व गुरूकुल, खेड़ाखुर्द, दिल्ली का 72 वां वार्षिकोत्सव 28 मार्च से 2 अप्रैल 2017 तक प्रधान चौ. ब्रह्मप्रकाश मान की अध्यक्षता में मनाया जायेगा। सभी आर्य जन भारी संख्या में पंहुचे।

–मनोज मान,मंत्री – आचार्य सुधांशु, प्राचार्य

## शोक समाचार

1 श्री कृष्णमोहन नन्दा (नवां शहर, पंजाब) का निधन।
2. श्री कृष्णलाल गुलाटी (पिता श्री सुरेन्द्र गुलाटी, ए.के.सी.हाउस) का निधन।
3 श्रीमती कमला शर्मा (धर्मपत्नि श्री अखिलेश शर्मा, टैगोर गार्डन) का निधन।
4. श्रीमती सरिता व विपिन बंसल (बहिन व जीजा जी, अजय आर्य, करनाल) का निधन।
5. श्री राजेश शर्मा (भ्राता संजय शर्मा, शास्त्री नगर) का निधन।

**युवा उद्घोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।**

**अपीलः यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित।**

**– डा. अनिल आर्य, मो.09810117464**

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970